जैन समाजात प्रचंड खपाचे व लोकप्रिय मासिक

जैन जागृति

(Since 1969) www.jainjagruti.in

६२ ऋतुराज सोसायटी, पुणे-सातारा रोड, भापकर पेट्रोल पंपा समोर, सिटी प्राईडच्या पुढची लेन, पुणे ४११०३७.
मो. : ८२६२०५६४८०, ☎ : ०२० - २४२१५५८३
मोबाईल : संजय ९८२२०८६९९७, सुनंदा ९४२३५६२९९१

❖ संस्थापक ❖
स्व. श्री. कांतीलालजी चोरडिया

संपादक व प्रकाशक : संजय के. चोरडिया
सहसंपादक : सौ. सुनंदा एस. चोरडिया

❖ वर्ष ५५ वे ❖ अंक ४ था ❖ डिसेंबर २०२३ ❖ वीर संवत २५५० ❖ विक्रम संवत २०८०

या अंकात	पान नं.		पान नं.
• शोध	१५	• प्रेम की मीठी नजर, मिटे द्वेष का जहर	६०
• जीतो नगर आवास योजना, पुणे	१६	• हास्य जागृति	६३
• श्रध्दा से करें सामायिक - साधना	१७	• बाहर नहीं - भीतर देखो	६५
• पावापुरी जलमंदीर, पुणे - दीपोत्सव	२०	• रत्न संदेश	६६
• दिमाग ठण्डा रखो	२१	• आर बॉईज हॉस्टेल - नवी मुंबई	६७
• कव्हर तपशील	२५	• वैराग्य वाणी	६८
• मैं कौन हूँ ?	२९	• जागृत विचार	६९
• जिन शासन के चमकते हीरे - नंदिषेण	३१	• नफरत V/S प्यार	७०
• मोक्ष मार्ग के २१ कदम : मान	३३	• अर्हत् महावीर	७१
• कंठस्थ करो	३७	• तप का ताप सहें	७५
• माया कषाय	४२	• दि पूना मर्चन्ट चेंबर, पुणे लाडू चिवडा उपक्रम	७९
• ऐसी हुई जब गुरुकृपा : गोलमाल मत कर	४३	• राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी, दिल्ली	८०
• बिन जाने कित जाऊँ - प्रश्नोत्तर प्रवचन	४५	• श्री. अभिजीत देसर्डा, पुणे	८०
• पाप प्रेरित कर्म - धर्माभास	५७	• जैन जागृति - दीपावली अंक समीक्षा	८१
• पागलों का समाधान	५८	• सुर्यभारत ग्लोबल अॅवॉर्ड, पुणे	८२

- श्री. वालचंदजी संचेती, पुणे – पुरस्कार ८३
- सौ. प्रिती भंडारी – मासखमण ८३
- टायटन टॉवर, पुणे – भूमीपूजन ८४
- जय आनंद महावीर युवक मंडळ – अहमदनगर ८५
- खाद्यान्न परवाना पाच वर्षांसाठी ८७
- श्री. नितीनजी बेदमुथा, निगडी – समाजभूषण पुरस्कार ८७
- पारस उद्योग समुह, अहमदनगर – ब्लड डोनेशन कॅम्प ८९
- जैन वधु–वर परिचय मेळावा, पुणे ८९
- दि पूना मर्चंट चेंबर – पुरस्कार वितरण ९०
- कडवे प्रवचन ९२
- सुरक्षा के पाठ दुर्घटना से मत सीखिए ९३
- विविध धार्मिक, सामाजिक बातम्या

जैन जागृति मासिकाचे वर्गणी दर ❖ एका वर्षात तीन मोठ्या अंकासहित

पंचवार्षिक	रु. २२००	त्रिवार्षिक	रु. १३५०	वार्षिक	रु. ५००

या अंकाची किंमत ५० रुपये. • Google Pay - M. 9822086997

सुसंस्कार व सदाचाराचा पुरस्कार करणाऱ्या 'जैन जागृति' मासिकाचे वर्गणीदार व्हा !

- वीतराग वाणी, आचार्य, साधू, साध्वी यांचे लेख, धार्मिक, सामाजिक व शैक्षणिक लेख, धार्मिक कथा, बोधकथा, ऐतिहासिक पुरुषांचे जीवन चरित्र, तीर्थक्षेत्र परिचय, समाज प्रबोधन लेखमाला, दीपावली पूजन विधी व मुहूर्त, आरोग्य व गृहोपयोगी लेख, विविध बातम्या इ. साहित्य जैन जागृतित प्रकाशित केले जाते.
- आपण स्वत: जैन जागृतिचे ग्राहक बना व आपले नातेवाईक, मित्र, व्यापारी बंधू इत्यादींना वर्गणीदार नसतील तर त्यांना वर्गणीदार होण्यास सांगा. • 'जैन जागृति' मासिकाची वर्गणी भरून इतरांना भेट पाठवा.

जैन जागृति वर्गणी व जाहिरात – रोख/Google Pay - M. 9822086997/
AT PAR चेक/पुणे चेकने/RTGS इत्यादी द्वारा पाठवावी

BANK ACCOUNT DETAILS - A/C Name : JAIN JAGRUTI
Bank : STATE BANK OF INDIA • Branch : Market Yard, Pune 37.
Current A/c No. : 10521020146 • IFS Code : SBIN0006117

'जैन जागृति' हे मासिक मालक, मुद्रक व प्रकाशक एस. के. चोरडिया यांनी प्रकाश ऑफसेट, शॉप नं. १२–१३, पर्वती टॉवर्स, पुणे – ४११००९ येथे छापून ६२ बी, ऋतुराज सोसायटी, पुणे–सातारा रोड, पुणे – ४११ ०३७ येथे प्रसिध्द केले. संपादक – एस. के. चोरडिया

"Jain Jagruti" monthly magazine is owned, printed & published by S. K. Chordia, Printed at Prakash Offset, Shop No. 12-13, Parvati Towers, Pune 411009. Published at 62-B, Ruturaj Society, Pune - Satara Road, Pune - 411 037. Editor - S. K. Chordia

टिप : या अंकात प्रसिध्द झालेल्या मताशी संपादक सहमत असतीलच असे नाही. जैन जागृति संबंधित कोणत्याही कायदेशीर कारवाईसाठी पुणे न्यायलय क्षेत्र ग्राह्य धरले जाईल.

टिप : जैन जागृति अंकात प्रकाशित लेख, बातम्या, जाहिरातीचे सर्वाधिकार सुरक्षीत आहेत.

शोध

संशोधक : प्रो. प्रदीप फलटणे, पुणे. मो. ९८८१५२५७६६

सह संपादक : जैन कासार समाचार ❊ शब्दांकन : महावीर सांगलीकर,

जैन धर्म और जैन समाज के बारे में जनमानस में कई गलत धारणाये है। जैसे जैन धर्म मारवाडी, गुजराती और बनियों का धर्म है। जैन धर्मानुयायी पैसेवाले होते है आदि लेकिन इन्स्टिट्यूट फॉर जैन सोशल स्टडीज, पुणे के संचालक प्रो. प्रदीप फलटणेने अपने अथक परिश्रम से जो शोध कार्य किया है, उससे साबीत होता है कि जैन धर्म केवल बनियों का धर्म नहीं है और नही इसके अनुयायी केवल राजस्थानी या गुजराती होते है भारत में हर प्रदेश के मूलनिवासी में कई ऐसी जातीया है जो जैन धर्मानुयायी है प्रोफेसर प्रदीप फलटणे का शोध कार्य दिखा देता है की संख्याबल की दृष्टी से सर्वाधिक जैन धर्मानुयायी किसान है न कि व्यापारी। यह किसान जैन जातीया बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिळनाडू, पंजाब, हरियाणा, गुजरात आदि प्रदेशो में बड़ी संख्या में दिखाई देती है। इसमे चतुर्थ, सराक, जैन जाट आदि के कई जातीया प्रमुख है। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में दो लाख कुर्मी किसान जैन धर्मानुयायी हैं। जैन समाज के दो महानाचार्य विद्यासागर जी और विजय इंद्रदिन सुरी जी इसी जैन किसान जाती की जैन समाज को देन है यह किसान परिवार की देन है।

किसान के साथ- साथ कई कारीगर या किसी विशेष व्यवसाय से जुडी हुई जैन धर्मानुयायी जातिया भी पुरे भारत में दिखाई देती है। ऐसी जातियों की संख्या अनगिनत है। कुछ प्रमुख जातियों के नाम इस प्रकार है- कासार (चुडिया बनाने, काचारी चुडिया बेचने वाले कासार, जो पुरी महाराष्ट्र मे फैले हुए है) कलार (जो जैन होने से पहले दारू बनाने का काम करते थे, यह समाज पूर्व महाराष्ट्र, दक्षिण मध्य प्रदेश, और उड़ीसा मे फैला हुआ है), नाई (हजाम), बुनकर, भावसार (कपडे रंगाने वाले/ दर्रजी कुम्हार, सुतार सैतवाल दर्जी का काम करने वाले यह महाराष्ट्र की सबसे अधिक संघटित जैन जाती है) सद्गुफ (पशुपालक) आदी ।

प्रोफेसर प्रदीप फलटणे का शोध कार्य यह भी बताता है कि ब्राह्मणो की १५ जातिया जैन धर्मानुयायी है जिन में जैन ब्राह्मण, भोजक, गौड, तपोधन, रावल, उपाध्ये, इंद्र आदि जातिया प्रमुख हैं इतना ही नही आदिवासीयों में भी जैन धर्मानुयायी आदिवासी पाये जाती है जैसे मीना, कुरंम्ब, संथाल, भिल्ल आदी जाती अलग अलग जैन धर्मानुयायी उपघटक होते है। मध्यप्रदेश की धर्मपाल और वीर्रवाल नामक दो जातीया पूर्व में हिंदू अछूत जातिया थी, लेकिन जैन धर्म अपनाकर इन्होने अपना सामाजिक आर्थिक उत्थान कर लिया है वर्तमान में ये दो जातिया मध्य प्रदेश के जैन धर्म की प्रमुख घटक है।

यह पूछने पर की यह सब जातिया जैन समाज के मुख्य धारासे दूर क्यों है, प्रोफेसर फलटणे कहते है की जिसे आप मुख्य धारा कहते है, वह वास्तव में अपनी जाती और संप्रदाय के दायरे में बंद मुट्ठीभर लोगों की धारा है आज जैन धर्म पर केवल दो -तीन बनिया जातिया हावी हो गई है। इनकी तथाकथित अखिल भारतीय संस्था और संघटना में किसी एक जाती और एक प्रदेश के लोगों का राज होता है। ये लोग बाते विश्व धर्म की करते हैं लेकिन इनका विश्व धर्म अपने जाती तक की सिमित होता है इसीलिए उनके धारा को ही मुख्यधारा कहा जा सकता है धीरे धीरे यह समाज

राष्ट्रीय स्तर पर संघटित हो रहा है और अपनी पहचान बना रहा है। अब वह दिन दूर नहीं जब जैन समाज के बारे में सारी गलत फेमिया दूर हो जायेंगी और वास्तव में मुख्यधारा लोगों के सामने आयेगी। फिलहाल प्रोफेसर फलटणे अपने शोधकार्य को जारी रखे हुए है। अब तक उन्होंने २१७ जैन जातियों के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्रित की है। वे पाठको से निवेदन करते है की इस जानकारी को परिपूर्ण बनाने के लिए उन्हें अपने पास उपलब्ध विभिन्न जैन जातियों के बारे में जानकारी भेजने का कष्ट करे । ऐसे जानकारी भेजने वालो के नाम प्रोफेसर फलटणे की आगामी पुस्तक 'जैन समाज: एक खोज' में प्रकाशित किये जायेंगे।

प्रोफेसर प्रदीप फलटणे, संचालक इन्स्टिट्युट फॉर जैन सोशल स्टडीज, १६३, यशवंत नगर, तळेगाव स्टेशन, पुणे ४१०५०७.

मो. ९८८१५२५७६६ ●

जीतो नगर आवास योजना, पुणे

तीसरी शंखला २७ नोव्हेंबर से ३१ डिसेंबर २०२३

सादर जय जिनेन्द्र,

आप सभी जानते है की, जीतो पुणे चैप्टर जैन साधर्मिक परिवारों के लिये जीतो नगर आवास योजना का निर्माण कर रहा है। जिसके तहत ४७७ साधर्मिक भाई – बहनों के लिये यहाँ पर आवास की योजना हो रही है। ये कार्य पूना के मध्य स्थित गंगाधाम चौक के नज़दीक होने जा रहा है और पुरे जोरों शोरों से ये कार्य शुरू है।

हमें अत्यंत हर्ष है कि २ सफल शंखला के बाद अब शुरू कर रहे तिसरी शंखला के फॉर्म्स जो कि जीतो पुणे चैप्टर ऑफिस में उपलब्ध है (दि. २७ नवंबर २०२३ से ३१ दिसंबर २०२३ – सुबह १० से शाम ५ बजे तक)

जिन साधर्मिक भाई–बहनों को आवास योजना में सिम्मलीत होना है और घर की अवश्यकता है वे जरूर संपर्क करे और यह फॉर्म जरूर भरे

इस योजना के कुछ नियम है वही साधर्मिक परिवारों ने कृपया संपर्क करे :

१. ये आवेदन फॉर्म पुणे जिल्हा के जैन परिवार के लिए उपलब्ध है।

२. आवेदक का या सह आवेदक का भारतवर्ष में कहीं भी खुदका घर नहीं है उसीका आवंटन पात्र होनेपर विचार किया जायेगा ।

३. आवेदन के समय आवेदक की आयु ७० साल से कम होना अनिवार्य है।

४. आवेदक परिवार की आमदनी सभी सूत्रोसे रक्कम रुपये ६,००,०००/– (६ लाख) से कम होनी चाहिये। आवेदक ने आमदनी प्रमाणपत्र विधिवत फॉर्म भर के जमा करना होगा।

५. हर एक घर से मात्र एक हि आवेदन फार्म आगे की प्रक्रिया के लिये विचार में लिये जायेगी।

६. आवेदक ने आवेदन फार्म विधिवत भर के जितो पुणे चॅप्टर के कार्यालय में ऊपर विस्तृत तारीख के पूर्व जमा करना अनिवार्य है।

संपर्क : जीतो पुणे चैप्टर ऑफिस
रवीकृ मॉल, पहली मंजिल, गंगाधाम, पुणे – ३७
https://maps.app.goo.gl/LiL5PardiEwMxCqv8
9011541215 ●

जैन समाजाची आवड
जैन समाजाची निवड
जैन जागृति

श्रद्धा से करें, सामायिक- साधना

लेखक : आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा.

संसार के करणीय कार्यों से कृत-कृत्य होने वाले सिद्ध भगवन्त अटकाने-भटकाने वाले घाती कर्मों का क्षय कर अनन्त ज्ञान - अनन्त दर्शन पाने वाले अरिहन्त भगवन्त एवं करणीय कार्यों में कदम बढ़ाने वाले संत भगवन्तों को कोटि-कोटि वन्दन !

बन्धुओं!

तीर्थंकर भगवान महावीर ने मन-वचन-काया को, जिसे अभी आप करना, कराना, अनुमोदना के रूप में श्रवण कर रहे थे, इन तीनों को दण्ड भी कहा है, प्रणिधान भी कहा है। अशुभ में प्रवृत्त होने वाले मन-वचन- काया के योग दण्डित करते हैं, संसार में रुलाते हैं, भव-भ्रमण बढ़ाते हैं, तो मन-वचन-काया के शुभ योग, बन्धन घटाकर, आत्म-स्वरूप जगा कर, कर्मों के बन्धन तोड़कर शाश्वत सिद्धि की ओर अग्रसर करते हैं ।

शरीर से आदमी सीमित काम कर सकता है चाहे अशुभ हो, चाहे शुभ। शरीर की शक्ति पुण्यशीलता से बढ़ती है। साधना करके, पुण्य बढ़ाकर आदमी शरीर की सामर्थ्य बढ़ा सकता है। शरीर में वह बल है, शरीर के बल का वर्णन जहाँ आता है वहाँ हाथी या शेर या चतुरंगी सेना भी शरीर को हिला नहीं सकती। चक्रवर्ती भरत और बाहुबलि का द्वन्द्व युद्ध जब याद किया जाता है तो उस युद्ध को लेकर सेना में शंका होती है कि आज जितने भी युद्ध जीते, सेनापतियों ने जीते हैं, पर भरत की कहीं हार नहीं हुई। टीकाओं में वर्णन चलता है- गड्ढे खुदवाये, एक-दो नहीं, हजार साँकलें बँधवाई, सेना के सभी सिपाही पकड़ कर खींचने को तैयार थे। सभी ने जोर लगाया तो भी भरत को हिला भी न सकें। भरत ने ज्यों ही थोड़ा-सा हाथ खींचा तो सारी सेना धराशाही!

शरीर का बल बढ़ाया जा सकता है। शरीर की अपेक्षा मन अधिक बलशाली है, अधिक काम कर सकता है। मन से वैराग्य जग सकता है, पाप से घृणा हो सकती है। व्यभिचारी ब्रह्मचारी बन सकता है। वचन का बल शरीर के बल से अधिक सामर्थ्यवान है। एक अशुभ वचन बखेड़ा खड़ा कर सकता है। वचन से युद्ध हो सकते हैं। वचन से वासना जग सकती है। मन-वचन-काया इन तीनों का जब योग मिलता है तो शक्ति और अधिक प्रचण्ड हो सकती है। वह शक्ति लोगों को चमत्कार-सी दिखती है। मन-वाणी-काया के शुभ योग मिलते हैं तो चमत्कार पैदा करते हैं। अशुभ में लगे तो अन्तर्मुहूर्त्त में सातवीं नरक में पहुँचा सकते हैं। ध्यानस्थ खड़े प्रसन्नचन्द्र राजऋषि का उदाहरण आपने सुना है। तन्दुल मत्स्य की बात आप जानते हैं। गर्भ का जीव युद्ध में लगे तो कहाँ जा सकता है? नरक में तन के साथ मन, मन के साथ वचन की शक्ति लगती है तो मानकर चलिए- अशुभ में लगी शक्ति डुबाने वाली है, शुभ में लगी शक्ति तिराने वाली है। इसे प्रणिधान से कहा गया। प्रणिधान मोक्ष के दरवाजे खोलने वाला है, यदि शुभ है तो ।

इस शक्ति को जगाने के लिए सामायिक और स्वाध्याय की साधना करने की प्रेरणा की जा रही है। सामायिक-स्वाध्याय करते-करते शक्ति बढ़ती है। निरन्तर अभ्यास से चाहे वह शरीर का हो या मन का अथवा - वचन का ही क्यों न हो, वह गाय- भैंस तक पशु को कंधे पर उठाकर सीढ़ियाँ चढ़ सकता है। निरन्तर अभ्यास करने वाला चाहे शरीर से दुबला- पतला ही क्यों न हो, अच्छे-अच्छे पहलवान को पछाड़ सकता है। आप अपनी सामर्थ्य-शक्ति का उपयोग करके

साधना में बढ़ते हुए अपनी ताकत बढ़ायेंगे तो आप प्रकृति के धर्म तक को बदलने वाले बन सकते हैं। सामर्थ्य जगने पर आग को पानी बनाया जा सकता है, जहर, अमृत बन सकता है, साँप फूल की माला बन सकता है, शूली का सिंहासन हो सकता है। कब? जब श्रद्धा, भक्ति और समर्पण से काम किया जाय।

जरूरत है - आस्था जगाने की जरूरत है- दोषों से बचकर शुद्ध सामायिक- स्वाध्याय करने की। आपको धर्म स्थान में आकर सामायिक करने को कहा जाता है। कारण है, घर में कभी दूध वाला आवाज देता है, कभी फोन की घंटी बजती है तो कभी बच्चे की जिद्द और रुदन सुनाई पड़ता है। जैसी शुद्ध सामायिक धर्म स्थान में हो सकती है, वैसी घर पर नहीं हो सकती।

आपको प्रेरणा की जा रही है। हर संत-सती धर्म स्थान में आकर सामायिक करने का आव्हान करते हैं। मुझे यह बताओ कि जोधपुर महानगर में कितने फकीर कितने मौलवी आए और उन्होंने यह प्रेरणा की कि मस्जिद में जाकर नमाज पढ़नी चाहिए। आपने प्रेरणा करने वाले मौलवी को देखा है? आपने गली-गली में फकीर को नमाज की प्रेरणा करते हुए पाया है? मुस्लिम भाइयों को जगाना नहीं पड़ता। आपको? आपको जगाना पड़ता है, बार-बार कहना पड़ता है, अनेक बार प्रेरणा करनी होती है, नियम दिलाना पड़ता है। रोज-रोज प्रेरणा करने के पश्चात् भी आप जागते नहीं। क्यों? आप सुनते हैं, समझते हैं पर करने के लिए सब तैयार नहीं होते।

आप कर्म-बन्धन से मुक्त होना चाहते हैं, नर से नारायण बनना चाहते हैं, इस देह का सदुपयोग करना चाहते हैं, धर्म ही नहीं, धर्म शासन को दीप्तिमान करना चाहते हैं तो सबसे पहले सामायिक-स्वाध्याय की साधना स्वयं करें फिर औरों को कराने का प्रयास करें।

सामायिक की साधना बराबर बनी रहनी चाहिए। आप अशुभ प्रवृत्तियों में जितना रस लेते हैं, शायद शुभ-वृत्तियों के लिए उतना प्रयास नहीं होता। अभ्यास के लिए सामायिक की प्रेरणा की जा रही है। सामायिक शुद्ध भावों से हो। शुभ संकल्प, शुभ चेतना, शुभ विचार क्या कर सकता है, जगाने पर आदमी कैसे जागता है? आपने अनाथीमुनि की बात सुनी है। जो काम परिवार वाले नहीं कर पाए, वैद्य और चिकित्सक नहीं कर सके, दवा जो काम नहीं कर सकी, वह काम मन के शुभ संकल्प ने कर दिखाया।

सामायिक-साधना सबके लिए करणीय है । जो नहीं करते, उनके लिए मन में गहरी वेदना है। करणीय कार्यों के करने से चमत्कार भी होते हैं। उसका वैज्ञानिक आधार भी है। मान लीजिए किसी की आँख की रोशनी चली गई। नेत्र रोग विशेषज्ञ ने कह दिया कि अब रोशनी वापस आने वाली नहीं है। पर प्रभु स्मरण से, भजन से, ध्यान से, साधना से रोशनी आ सकती है, जरूरत है एकाग्रचित्त, एक मन से अध्यवसाय में बैठकर ध्यान करने की । आपने सुना है- आचार्य मानतुंग जिनके पास न हथौड़ा था, न कोई औजार । कोई साधन नहीं था, यहाँ तक कि पत्थर भी नहीं, फिर भी एक-एक कर कैसे ताले टूटते गए? बन्धनों से वे मुक्त कैसे हुए? कहना होगा- एकाग्र मन से भक्ति वाले शुभ अध्यवसायों से बन्धन टूटते गए।

अध्यवसाय पवित्र कब होता है? जब शुभ काम में, ध्यान में, स्वाध्याय में मन जुड़ता है तो शक्ति प्राप्त होती है। उस शक्ति से ज़हर भी अमृत बन सकता है। भक्तामर, श्लोक की कड़ियाँ बोलने वाले जानते हैं- वह मंत्र है, चमत्कार नहीं। सुना आपने भी है, सुना मैंने भी है कि मन की दृढ़ श्रद्धा हो तो नहीं होने वाला काम हो जाता है।

शरीर की शक्ति से अधिक वचन की शक्ति है और वचन की शक्ति से आगे मन की शक्ति है। मन की शक्ति अनन्त है परन्तु मन की शक्ति से आगे है- श्रद्धा की शक्ति। मन की शक्ति के आगे है विश्वास का बल ।

श्रद्धा और विश्वास का बल शरीर-बल, मन-बल से अनन्त गुना ज्यादा है। श्रद्धा का बल अनन्त भवों के कर्मों का क्षय कर सकता है।

कोई मुसलमान है, उसे चाहे फकीर का संयोग मिलेगा या नहीं, वह नमाज पढ़ने जाएगा ही। गाँव-गाँव में मुस्लिम भाइयों को नमाज पढ़ते देखा होगा। वह चाहे गरीब है या अमीर, मजदूर है या अफसर, नमाज पढ़ेगा ही, बिना नमाज पढ़े नहीं रहेगा।

आप दिन-रात ''गुरु हस्ती के दो फरमान सामायिक-स्वाध्याय महान'' नारे लगाते हैं। फिर आपको सामायिक- स्वाध्याय करने के लिए कहना क्यों पड़ता है? जिस दिन हमें कहना या चेताना नहीं पड़े, आप स्वतः होकर धर्म स्थान में सामायिक करने लगेंगे तो वह दिन आपके लिए और हमारे लिए अच्छा दिन होगा। आपको दुकान जाने के लिए कहना नहीं पड़ता। नौकरी पर आप स्वतः समय पर जाते हैं। किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं। ऐसे ही आप खुद ही सामायिक-साधना करें। आज हमको प्रेरणा करनी पड़ती है, बार-बार कहना पड़ता है, याद दिलाना होता है पर आप कितना मानते हैं, स्वयं निर्णय करें।

आप प्रतिदिन सामायिक करें। प्रतिदिन समय न दे सकें तो साप्ताहिक सामूहिक सामायिक अवश्य करें। इसमें किसी के कहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। मैं अपेक्षा रखता हूँ कि सामायिक-साधना में आपके कदम उत्तरोत्तर आगे बढ़ते रहेंगे, यही मंगल मनीषा है। ●

जीवदया व गौपालन के लिए

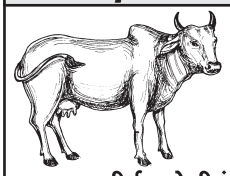

श्री क्षेत्रपाल प्रतिष्ठान

उज्ज्वल गौपालन संस्था

नवकार तीर्थ, लोणीकंद की यह गोशाला आप सभी दानवीर के सहयोग से गोवंश का अभय दान बन गयी हैं । आपके परिवार की हर खुशी में एंव विभिन्न प्रसंग पर रु. १००१/- देकर एक गोवंश को अभय दान दे। या रु. ५१००१/- देकर २१ साल की गोशाला की मिती लेकर जीवदया के इस महायज्ञ में सहयोग देकर मनःशांती पाईए।

नवकार तीर्थ, पुणे - नगर रोड, लोणीकंद, जि. पुणे.
फोन : २७०६९६९०, ९८२२९५७७८८
पुणे ऑफिस : दुग्गल प्लाझा, प्रेमनगर, बिबवेवाडी रोड, पुणे ३७. **फोन** : ६५२५७७०५, **मो.**:९८५०७१४१६४
www.jainnavkartirth.goshala.org

संस्था को दिए गए दान पर आयकर कानून कलम ८० जी के अंतर्गत इन्कमटॅक्स की छूट मिलेगी

पावापुरी जलमंदिर, पुणे – दीपोत्सव

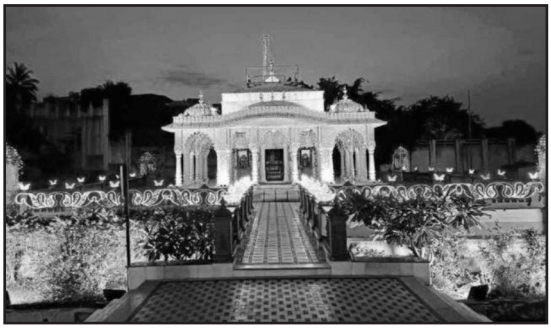

भगवान महावीर यांच्या निर्वाण कल्याणक आणि श्री गौतम स्वामी यांच्या केवलज्ञान पावन औचित्य साधून, कात्रज येथील पवित्र पावापुरी जलमंदिरात दीपावली निमित्त दीपोत्सवाचे आयोजन करण्यात आले. लक्ष्मीपूजन १२ नोव्हेंबर २०२३ रोजी हा नेत्रदीपक उत्सव संपन्न झाला.

वर्धमान जैन आगम मंदिर ट्रस्ट आणि श्री. महावीरजी मोहनलालजी बाठिया परिवारा तर्फे १६ वर्षापासून दीपोत्सवाचे आयोजन करण्यात येते.

मध्यरात्री १२ वाजता लाडू अर्पण आणि महाआरतीचा कार्यक्रम झाला. स्व. आचार्य हर्षसागर महाराज, स्व. आचार्य नंदीवर्धन महाराज आणि १०३ वर्षीय दौलतसागर महाराज यांची रांगोळी यंदाच्या दीपोत्सवाचे विशेष आकर्षण ठरली. सुमारे १५००० समाज बांधवानी या दीपोत्सवात भाग घेतला. ●

कव्हर तपशील - डिसेंबर २०२३

❖ **पावापुरी जलमंदिर, पुणे – दीपोत्सव**

भगवान महावीर यांच्या निर्वाण कल्याणक आणि श्री गौतम स्वामी यांच्या केवलज्ञान पावन औचित्य साधून, कात्रज येथील पवित्र पावापुरी जलमंदिरात दीपावली निमित्त दीपोत्सवाचे आयोजन करण्यात आले. सुमारे १५००० समाज बांधवानी या दीपोत्सवात भाग घेतला.
(बातमी पान नं. २०)

❖ **रुणवाल फौंडेशन, आर बॉईज हॉस्टेल – मुंबई**

मुंबई येथील प्रसिद्ध बिल्डर, उद्योजक व दानवीर श्री. सुभाषजी रुणवाल – सौ. चंदाजी रुणवाल यांच्या रुणवाल फौंडेशन द्वारे नवी मुंबई येथे आर बॉईज हॉस्टेलचे उद्घाटन झाले.
(बातमी पान नं. ६७)

❖ **दि पूना मर्चन्ट चेंबर – आदर्श व्यापारी पुरस्कार**

दि पूना मर्चंटस् चेंबर तर्फे व्यापार महर्षी स्व. उत्तमचंदजी उर्फ बाबा पोकर्णा यांच्या स्मृतीनिमित्त दरवर्षी दिले जाणारे ''आदर्श व्यापारी उत्तम पुरस्कार'' दि. २३ नोव्हेंबर रोजी शानदार सोहळ्यात केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल यांच्या हस्ते वितरित करण्यात आले. यावेळी प्रमुख अतिथी म्हणून जेष्ठ विधी सल्लागार ॲड. एस. के. जैन, लायन्स क्लब इंटरनशनलचे डिस्ट्रिक्ट गव्हर्नर विजयजी भंडारी हे उपस्थित होते. कार्यक्रम आयोजक चेंबरचे अध्यक्ष राजेंद्रजी बाठिया, उपाध्यक्ष अजितजी बोरा, सचिव रायकुमारजी नहार, सहसचिव ईश्वरजी नहार, चेंबरचे माजी अध्यक्ष प्रविणजी चोरबेले यांची व्यासपीठावर उपस्थिती होती.

यावेळी राज्यस्तरावरील पुरस्कार मे. दांडेकर आणि कंपनी, सांगलीचे अरुणजी रंगनाथजी दांडेकर यांना, पुणे जिल्हा स्तरावरील पुरस्कार मे. कल्याण भेळ, पुणेचे रमेशजी श्रीहरीजी कोंढरे यांना, तर पुणे शहर स्तरावरील पुरस्कार मे. लोहिया जैन ग्रुप, पुणेचे पुरुषोतमजी मुकुंददासजी लोहिया यांना प्रदान करण्यात आला. दि पूना मर्चन्ट चेंबर सदस्यांकडून देण्यात येणारा पुरस्कार श्री. राजेशजी हिरालालजी शहा यांना व युवा व्यापारी पुरस्कार श्री. शुभमजी विनोदजी गोयल यांना प्रदान करण्यात आला. ''आदर्श पत्रकार पुरस्कार'' दै. सकाळचे पत्रकार प्रवीणजी डोके यांना प्रदान करण्यात आला. (बातमी पान नं. ९०)

❖ **श्री. नितीनजी बेदमुथा, निगडी – पुरस्कार**

निगडी – प्राधिकरण जैन श्रावक संघाचे अध्यक्ष श्री. नितीनजी बेदमुथा यांना सोशल मीडिया फाउंडेशनच्या वतीने २० नोव्हेंबर रोजी समाज भूषण पुरस्कार देऊन सन्मानित करण्यात आले.
(बातमी पान नं. ८७)

❖ **श्री. वालचंदजी संचेती, पुणे – पुरस्कार**

पुणे – शैक्षणिक व सामाजिक क्षेत्रात अतुलनीय कार्य केल्याबद्दल कॅम्प एज्युकेशन सोसायटीचे कार्याध्यक्ष श्री. वालचंदजी संचेती यांना जैन समाजा तर्फे 'समाजरत्न पुरस्कार' देऊन गौरविण्यात आले. श्री. उल्हासदादा पवार यांच्या हस्ते पुरस्कार देण्यात आला.

अनुष्ठान आराधिका प.पु.डॉ. कुमुद लताजी

म.सा. आदी ठाणा ४, श्रीमती शोभाताई धाडीवाल, अध्यक्ष श्री. पोपटलालजी ओस्तवाल, श्री. माणिकचंदजी दुगड व इतर मान्यवर यावेळी उपस्थितीत होते.
(बातमी पान नं. ८३)

❖ **डॉ. अमोल बोरा, पुणे – भरारी पुस्तक प्रकाशन**
पुणे - डॉ. अमोलजी इंद्रकुमारजी बोरा, चार्टर्ड इंजिनियर, व्हॅल्युअर आणि सर्वेअर यांच्या एकसष्टी निमित्त कार्यक्रम व त्यांच्या जीवनावर श्री. चंद्रशेखरजी लिमये यांनी लिहिलेल्या ''भरारी'' या पुस्तकाचा प्रकाश समारंभ पुणे येथे पार पडला. सदर कार्यक्रमास प्रमुख पाहुणे म्हणून श्री. प्रकाशजी नारके, डॉ. अनिलजी खिंवसरा व श्री. सौरभजी बोरा हे उपस्थित होते.

❖ **सुर्यदत्त ग्लोबल बिझनेस फोरम – पुरस्कार**
चित्रपट सृष्टीतील उल्लेखनीय योगदानाबद्दल सूर्यदत्त ग्लोबल अवॉर्डने माधुरी दिक्षीत यांचा गौरव केला. 'एसजीबीएफ'चे अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजयजी बी. चोरडिया व उपाध्यक्षा सुषमाजी संजय चोरडिया यांच्या हस्ते सन्मानित करण्यात आले. मानपत्र, सन्मानचिन्ह, मेडल व स्कार्फ असे या पुरस्काराचे स्वरुप होते. (बातमी पान नं. ८२)

❖ **पारस उद्योग समुह – अहमदनगर**
अहमदनगर येथील पारस उद्योग समुहाने आपली यशस्वी ५५ वर्षे पूर्ण केल्याबद्दल आपल्या अहमदनगर येथील ऑफिस व ६ प्लान्ट मध्ये रक्तदान शिबीराचे आयोजन केले.
(बातमी पान नं. ८९)

❖ **श्री. पनालालजी संचेती, पुणे – ९१ वा वाढदिवस**
पुणे - बनसीलाल लखीचंद संचेती, मार्केट यार्ड या फर्मचे पनालालजी संचेती यांच्या ९१ व्या वाढदिवसाच्या निमित्त कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले. अहमदनगर निवासी संपतलालजी बाफणा अध्यक्षस्थानी होते. उद्योगपती प्रकाशशेठ धारीवाल यांच्या प्रमुख उपस्थिती मध्ये व त्यांच्या हस्ते सन्मान करण्यात आला. त्यावेळेस सतेंद्रजी नवलाखा प्रमुख वक्ते म्हूणन उपस्थित होते. मोहनलालजी संचेती, पुखराजजी संचेती, अभयजी संचेती, किशोरजी संचेती अनेक मान्यवर व परिवाराचे सदस्य उपस्थित होते.

❖ **टायटन टॉवर – वडगांव शेरी, पुणे – भूमिपूजन**
वडगाव शेरी, पुणे येथील जैन स्थानक जवळ श्री प्रफुल्लजी कोठारी यांच्या तर्फे टायटन टॉवर हे नवीन गृह प्रकल्प भूमि शुध्दिकरण कार्यक्रम जैन विधी द्वारा संपन्न झाले. (बातमी पान नं. ८४)

❖ **सो अ‍ॅण्ड सो ग्रँड अहमदनगर – उद्‌घाटन**
अहमदनगर येथील सावेडी भागातील उषादेवी टॉवर येथे ३ नोव्हेंबर रोजी सो अँड सो ग्रँड या रेडिमेड्‌सच्या पाचव्या दालनाचा शुभारंभ कुंतीलाल व सौ. सुरेखा मुथा यांच्या हस्ते करण्यात आला. (बातमी पान नं. ३५) •

WE ARE
BRAND CREATORS
ADVERTISE WITH US

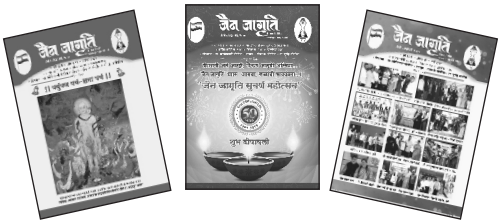

Jain Jagruti
(Since 1969)
Mobile : 9822086997, 8262056480
E-mail : jainjagruti1969@gmail.com
Website : www.jainjagruti.in